SHRI VAYALAR RAVI: Mr. Speaker, Sir, I would like to draw your kind attention to the news item in the Hindustan Times dated 22nd March, wherein my name and that of Mr. Saugata Roy have been clubbed in the group of Congress-I. The heading of the news item reads like this: "Congress-I MP's words 'undignified' ". Sir, you might have read this. Sir, it has been mentioned that certain remarks made were undignified. I have not made any undignified remark on the floor of the House and putting my name and the name of Mr. Saugata Roy gives an impression that we have also made certain remarks on the floor of the House which were undignified. No other paper has given this. Sir, this kind of false and misleading reports should not appear and this affects the prestige and honour of the Members of this House.

In this connection, I am also to bring to your kind notice one more point, that is your Secretariat is keeping top secret the list of the Members belonging to the Congress-I party. It is necessary that this thing should be made clear to the Press also so that they may know who belongs to which party There is nothing secret about this list. The list should be made public and it should also be made available to the Press.

MR. SPEAKER: I have already directed that the list of Members belonging to each group or party must be made available to the Press. I am calling for an explanation from the correspondent of the *Hindustan Times*.

श्री रूप नाथ सिंह यादव (प्रतापगढ) अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । आज के लिए मेरा एक तारांकित प्रश्न संख्या 6506 इस सम्बन्ध में था कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के हिन्दी अनुवाद को ठीक कर के दोबारा छपाया जाये क्योंकि उसके दसवें पैराग्राफ के हिन्दी अनुवाद में पिछड़े वर्ग के आयोग के बारे में कही गई बात बिल्कुल गायब है । अंग्रेजी में अभिभाषण के दसवें पैराग्राफ में उसके बारे में जो कुछ है वह हिन्दी अनुवाद में बिलकुल गायब है, इसलिए उसको दोबारा छपा कर वितरित किया जाय ।

MR. SPEAKER: It is not a point of order. Please come and discuss the matter, with me. Mr. Vasant Sathe.

SHRI VASANT SATHE (Akola): I shall give my 377 notice in writing; can you kindly call me later?

12.41 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED SHORTAGE OF CEMENT, FERTILISERS AND IRON IN ORISSA

MR. SPEAKER: Shri Sarat Kar.

SHRI SARAT KAR (Cuttack): There is acute shortage of cement, fertiliser and iron in Orissa. Though there are more factories than one, still the commodities are not available and if at all they are available, they are sold in the blackmarket. Therefore, the housing schemes for low and middle income groups have had to be stopped and due to the shortage of fertilisers the rabi crop is suffering. Therefore, I urge that the Ministers of the Central Government should intervene in this matter.

(ii) REPORTED CONSTRUCTION OF A PUCCA ROAD BY CHINA ON THE EASTERN BORDER OF INDIA

श्री एस० एस० सोमानी (चित्तौड़गढ) : अध्यक्ष महोदय, मैं सभा का ध्यान एक बहुत ही गंभीर मामले की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित है । सन् 1962 की गलती फिर से न हो जाये इसलिए मैं इस तरफ सदन का

और रक्षा मंत्री का ध्यान आकर्षित कर रहा हूं :

मुझे यह जानकारी मिली हैं कि चीन ने हमारी पूर्वी सीमा के निकट पहले कच्ची और अब बिलकुल पक्की सडक बना ली है। पहले इस सडक पर केवल जीप चलती थी, परन्तु अभी वहां पर आर्मी के भारी वाहनो की गतिविधिया देखी गई हैं। यह सडक सामरिक दृष्टि से हमारी आखरी सैनिक चौकी "कीबुतु" के बिल्कुल नजदीक तक बना ली गई है।

सन् 1962 की भारत चीन लडाई के बाद ही हमे मालूम हुआ था कि कश्मीर की तरफ चीन ने पहले ही कोई सडक "अक्साई चीन" मे बना ली है।

इस सडक के कारण हमारी सेना के लोगो मे चिन्ता पैदा हो गई है और वे लोग निराशा अनुभव कर रहे है।

क्या रक्षा मंत्री जी सम्पूर्ण राष्ट्र को वस्तुस्थिति की जानकारी देगे ?

(iii) REPORTED SUPPLY OF BAD QUALITY OF WHEAT BY FOOD CORPORATION OF INDIA

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय (मदसौर). अध्यक्ष महोदय खाद्य निगम के विभिन्न राज्यो मे स्थित गोदामो मे इस समय जो गेहू दिया जा रहा है वह अत्यन्त ही खराब और सडा हुआ गेहू दिया जा रहा है विशेष कर राजस्थान और मध्य प्रदेश मे। उस गेहू को मनुष्य तो क्या पशु भी खाना पसद नही करेगें। किन्तु वैसा ही गेहू वहा पर बार-बार आपत्ति किए जाने पर भी खाद्य निगम के अधिकारियो द्वारा दिया जा रहा है। यह अत्यन्त दुख की बात है और मुझे कहते हुए अत्यन्त दुख होता है कि जब राजस्थान राज्य सरकार के अधिकारियो ने व मध्य प्रदेश राज्य के अधिकारियो ने और विशेष कर रतलाम जिले के अधिकारियो ने इस गेहू को लेने से इनकार किया तो खाद्य निगम के अधिकारियो ने कहा कि लेना हो तो यही गेहू लेना पडेगा, यदि खिलाना है तो यही गेहू खिलाना पडेगा। जब अधिकारियो ने 'यह' कहा कि इस प्रकार प्रकार के गेहू के खिलाने से रोगो के होने की सम्भावना है और यह जन-जीवन के साथ खिलवाड हो रहा हैं तब भी खाद्य निगम के अधिकारियो ने इस बात की कोई चिन्ता नही की। मैं केन्द्रीय सरकार के खाद्य मत्री का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हू कि वे तुरन्त इस प्रकार का आदेश देने की कृपा करे जिस से एफसी आई से दिया जाने वाला गेहू जो सस्ते अनाज की दूकानो द्वारा वितरित किया जाता है जहा पर कोई पैसे वाला गेहू लेने नही आता, गरीब और मध्यम वर्ग के लोग ही वहा से गेहू लेते है तो उन के जीवन के साथ खिलवाड न किया जा कर उन्हे अच्छा गेहू वहा उपलब्ध किया जाय। यद्यपि रतलाम स्थित एफ० सी० आई० के गोडाउन म अच्छा गेहू उपलब्ध है लेकिन वह वहा उपलब्ध नही किया जा रहा है। मै चाहूगा कि इस मामले का गम्भीरता से ले कर खाद्य मत्री इस की व्यवस्था करे और सदन का भी उस के बारे म की गई कार्यवाही से अवगत कराने की कृपा करे।

(iv) REPORTED ATTACK ON DEMONSTRATORS IN FRONT OF PRIME MINISTER'S RESIDENCE

SHRI VASANT SATHE (Akola) I wish to draw the attention of the House to a serious matter of public importance about the brutal attack on peaceful demonstrators in front of the Prime Minister's residence on March 19, 1978

The hon Prime Minister, Shri Morarjibhai, is known for his views as stated by him as late as on 25th June, 1975, a few hours before his arrest, in an interview to the correspondent of L'Europeo, an Italian newspaper. Shri Desai while giving a graphic dis-